लोक सभा अध्यक्ष इम्फाल में 16वें उत्तर-पूर्वी क्षेत्र राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन का शुभारम्भ करेंगी

इम्फाल, 14 जून 2017 : 16वें उत्तर-पूर्वी क्षेत्र राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन का आयोजन 14 से 18 जून, 2017 को इम्फाल, मणिपुर में किया जा रहा है जिसका विषय है "उत्तर-पूर्वी और पूर्वोन्मुखी नीति" (नार्थ ईस्ट और लुक ईस्ट पालिसी)।

इस सम्मेलन का उद्घाटन माननीय लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन 15 जून, 2017 को मणिपुर विधान सभा परिसर, इम्फाल में करेंगी। इस अवसर पर मणिपुर विधान सभा के माननीय अध्यक्ष, श्री युमनाम खेमचंद सिंह स्वागत भाषण देंगे और मेघालय विधान सभा के माननीय अध्यक्ष और उत्तर पूर्वी क्षेत्र राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के अध्यक्ष, श्री अबू ताहेर मंडल मुख्य भाषण देंगे। मणिपुर के माननीय उप मुख्य मंत्री, श्री वाई. जॉयकुमार सिंह भी उद्घाटन समारोह में प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे।

सम्मेलन के दूसरे दिन अर्थात 16 जून, 2017 को मणिपुर की माननीय राज्यपाल, डॉ नजमा हेपतुल्ला प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगी। उत्तर पूर्वी राज्यों के विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारी और सदस्य इस विशेष सम्मेलन में भाग लेंगे जिसमें तीन महत्वपूर्ण विषयों पर विचार किया जाएगा : (i) उत्तर पूर्वी और पूर्वोन्मुखी नीति; (ii) उत्तर पूर्वी क्षेत्र के शीघ्र आर्थिक विकास के लिए रेल, वायु मार्ग, सड़क और अंतर्देशीय जलमार्ग संपर्कों के विकास के लिए विशेष योजना; और (iii) उत्तर पूर्वी विधानमंडलों के लिए शोध कार्य करने और इस क्षेत्र के विधायकों के क्षमता निर्माण के लिए उत्तर पूर्वी क्षेत्र में अध्यक्षीय शोध कदम (एस आर आई) की शाखा की स्थापना पर चर्चा।

अपनी विशिष्ट भौगौलिक स्थिति; संपर्क की कमी और ऐसी ही कई अन्य कठिनाइयों के कारण उत्तर पूर्वी क्षेत्र कई दशकों से विभिन्न विकासात्मक कार्यकलापों के मामले में पिछड़ा हुआ है। इन्हीं कठिनाइयों के कारण, उत्तर पूर्वी राज्यों में एक अलग क्षेत्र विशेष शासन और विकास मॉडल कार्यरत है। चूँकि विकास के लाभों के वितरण में अनेक समस्याएँ और कठिनाइयाँ आती हैं, इसलिए उत्तर पूर्वी क्षेत्र के राज्यों के विधायकों को निगरानी, विधि निर्माण और वित्तीय नियंत्रण की जिम्मेदारी निभाने में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जाहिर है कि इन विधानमंडलों के सदस्यों को अपने दायित्वों के निर्वहन में अपने-अपने राज्यों से जुडी विशिष्ट

आवश्यकताओं को समझने के लिए उच्च स्तर के कौशल की आवश्यकता होती है। उत्तर पूर्वी राज्यों के विधानमंडलों में एक लम्बे अरसे से एक ऐसे विश्वसनीय तंत्र की आवश्यकता महसूस की जा रही है जिससे विधायकों को अपना काम-काज प्रभावी ढंग से करने के लिए प्रामाणिक और विश्लेष्णात्मक जानकारी मिल सके।

अध्यक्षीय शोध कदम (एस आर आई) की शुरुआत 23 जुलाई 2015 को इस उद्देश्य से की गई थी कि महत्वपूर्ण और सामयिक विषयों के बारे उच्च गुणवत्तापूर्ण शोध सामग्री उपलब्ध कराई जा सके तथा जानकारी प्रदान करने और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से संसद की दोनों सभाओं के सदस्यों के साथ बातचीत के लिए उपयुक्त तंत्र विकसित किया जा सके। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए एस आर आई के अंतर्गत सदस्यों को शीघ्र और प्रभावी जानकारी प्रदान करने के लिए सहभागी मोड्यूल विकसित करने की संकल्पना की गई।

एस आर आई स्थापना के बाद से ही माननीय लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन के ओजस्वी नेतृत्व और मार्गदर्शन में अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। सत्रों के दौरान संसद सदस्यों के लिए संसद के समक्ष प्रस्तुत विशेष विषयों के बारे में लोकतंत्र के विभिन्न भागीदारों और सुविख्यात विषय विशेषज्ञों के साथ अनेक बैठकों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। उत्तर पूर्वी क्षेत्र की दोनों सभाओं के सदस्य एस आर आई के विविध कार्यकलापों से बहुत लाभान्वित हुए हैं।

देश के समग्र विकास में उत्तर पूर्वी क्षेत्र के महत्व को समझते हुए और उत्तर पूर्वी राज्यों की विधान सभाओं के अध्यक्षों के अनुरोध पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने उत्तर पूर्व राज्यों की विधान सभाओं द्वारा अपनी खुद की शोध पहलों को संस्थागत रूप दिए जाने तक विधायकों को शोध सामग्री और जानकारी उपलब्ध कराने के लिए उत्तर पूर्वी क्षेत्र में एस आर आई शाखा (चैप्टर) की स्थापना के लिए सहमति दे दी है। इस सम्मेलन में उत्तर पूर्व में एस आर आई शाखा (चैप्टर) की स्थापना की व्यवस्था के बारे में चर्चा की जायेगी।